कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures) | | | | | | | |

(In Words) -

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी [✓] अंग्रेजी [ ]

विषय सामाजिक विज्ञान

परीक्षा का दिन.....

दिनांक .....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर ..... संकेतांक | | | | | |

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 161/2017

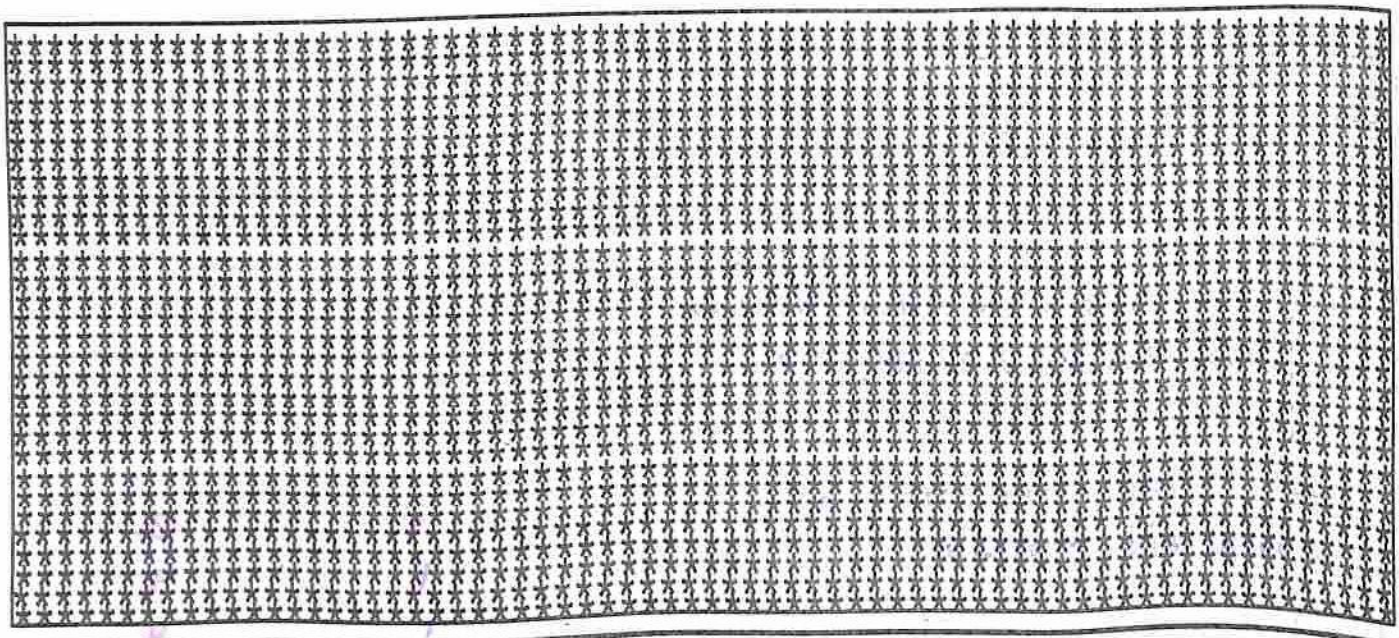

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र० 1. अशोक ने अपने राज्याभिषेक के 20 वें वर्ष में लुम्बिनी (कपिलवस्तु) की धम्म-यात्रा की थी। रुम्मनदेई अभिलेख इस संबंध में हमारे लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे विदित होता है कि अशोक ने वहाँ भू-कर की दर $\frac{1}{6}$ से घटाकर $\frac{1}{8}$ कर दी थी।

प्र० 2. जयपुर का जन्तर-मन्तर सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा बनायी गई एक वेधशाला है। जयसिंह-II ने पाँच वेधशालाओं का निर्माण करवाया था जिसमें यह सबसे बड़ी है।

प्र० 3. आधुनिक युग में प्रतिनिधि लोकतन्त्र के दो रूप प्रचलित हैं —
[i] संसदात्मक [ii] अध्यक्षात्मक
इसमें से, ~~प्रथम~~ संसदात्मक शासन प्रणाली का आदर्श उदाहरण ब्रिटेन की शासन प्रणाली है तथा अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली का आदर्श उदाहरण अमरीका की शासन प्रणाली है।

प्र० 4. इन्टरनेट के दो लाभ :-
[i] इन्टरनेट से ई-मेल भेजी जा सकता है जो सन्देशों के आदान-प्रदान

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

में महत्वपूर्ण है।

[ii] इन्टरनेट से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की जा सकती है जिसमें कई व्यक्ति कंप्यूटर पर आमने-सामने बात कर सकते हैं।

3. 5. राष्ट्रीय आय :-

किसी देश में किसी वित्तीय वर्ष में उस उत्पादन के सभी साधनों द्वारा उत्पादन प्रक्रिया में योगदान के फलस्वरूप अर्जित कुल आय का योग राष्ट्रीय आय कहलाती है।

3. 6. भारत में वित्तीय वर्ष की अवधि 1 अप्रैल से 31 मार्च तक है। अर्थात् भारत में कोई एक वित्तीय वर्ष किसी वर्ष में 1 अप्रैल को प्रारंभ होता है तथा अगले वर्ष के 31 मार्च को समाप्त होता है।

3. 7. प्राथमिक क्षेत्र में उन गतिविधियों को सम्मिलित किया जाता है जिनका संबंध सीधा प्रकृति से हो या जो प्रकृति से प्राप्त हो, इसमें मुख्यतः कृषि, पशुपालन एवं (डेयरी) एवं खनन की गतिविधियाँ सम्मिलित की जाती हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उ० 8. सामान्य कीमत स्तर :-

विभिन्न वस्तुओं या किसी वस्तु समूह की कीमत के औसत स्तर को सामान्य कीमत स्तर कहते हैं। इसमें किसी एक वस्तु की नहीं, वस्तुओं के समूह को सम्मिलित किया जाता है।

उ० 9. बेरोजगारी :-

जब कोई व्यक्ति किसी कार्य को करने में सक्षम हो, कार्य करने का इच्छुक भी हो फिर भी उसे रोजगार न मिले या कार्य करने का अवसर न मिले, उस स्थिति को बेरोजगारी कहते हैं।

उ० 10. भारत में गरीबी मापन का प्रथम प्रयास 1868 में दादा भाई नौरोजी ने किया।

उ० 11. एक जागरूक नागरिक के रूप में हम उच्च न्यायालय के लिए निम्न स्वतन्त्रताओं की अपेक्षा करते हैं -

[i] उच्च न्यायालय को कार्यपालिका से पूर्णतः पृथक रखा जाये।

[ii] उच्च न्यायालय के गठन अर्थात न्यायाधीशों की नियुक्ति विशेष प्रक्रिया से हो।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उ० 12. टांका :-

टांका पश्चिमी राजस्थान में जल-संरक्षण की एक तकनीक है। इसे घर में या अन्य स्थानों पर भूमि में 5 से 6 मीटर गहरा गड्ढा खोदकर बनाया जाता है। इसे ऊपर से पत्थरों या स्थानीय उपलब्ध संसाधनों से ढक दिया जाता है। इसमें छत से आने वाला वर्षा जल तथा आगोर से आने वाला जल इकट्ठा होता है। इसकी भीतरी दीवारों पर बजरी का लेप कर दिया जाता है जो तली के कटाव को रोकता है। यह जल-संरक्षण की एक प्राचीन विधि है। इसके जल का उपयोग पेयजल व खेती में भी किया जाता है।

→ टांकों का निर्माण 'मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन योजना' के अन्तर्गत किया गया है।

उ० 13 व्यावसायिक फसलें :-

वे फसलें जिनका उपयोग व्यावसायिक कार्यों के लिए अथवा उद्योगों में कच्चे माल के रूप में किया जाता है, उन्हें व्यावसायिक फसलें कहते हैं। ~~जैसे~~- जूट, गन्ना, ~~कह~~ कपास, तिलहन आदि।

→ उदाहरण - जूट, गन्ना, कपास, तिलहन।

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उ० 14. धात्विक खनिज दो प्रकार के होते हैं:-
[i] लौह प्रधान धातु
[ii] अलौह प्रधान धातु

[i] लौह प्रधान धातु:- वे धात्विक खनिज जिनमें लोहांश की प्रधानता पाई जाती है, उसे लौह प्रधान धातु खनिजों की श्रेणी में रखा जाता है, जैसे- लौह अभ्रक, क्रोमाइट, पाइराइट, टंगस्टन आदि,

[ii] अलौह प्रधान धातु:- वे धात्विक खनिज जिनमें लोहांश नहीं पाया जाता, वे अलौह प्रधान धातु खनिजों की श्रेणी में आते हैं, जैसे- सोना, चाँदी, जस्ता आदि।

उ० 15. औद्योगिक प्रदूषण के प्रभाव:- औद्योगिक प्रदूषण से भारत में पर्यावरण पर कई तरह के प्रभाव होते हैं, यथा-

[i] औद्योगिक प्रदूषण के कारण भारत में कई नदियाँ दूषित हो चुकी हैं, इन नदियों के पास स्थित उद्योगों का दूषित जल इनमें डाल दिया जाता है जिससे जलीय जीव-जंतु व पौधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

[iii] औद्योगिक प्रदूषण से वायु दूषित होती है और कई प्रकार की श्वास संबंधी बीमारियाँ फैलाती है। एक सर्वेक्षण के अनुसार भारत की 30% महानगरीय जनसंख्या श्वास संबंधी बीमारियों से ग्रसित है।

3.16. जन्म दर :-

किसी देश में एक वर्ष में प्रति हजार व्यक्तियों पर जन्में जीवत बच्चों की संख्या जन्म दर कहलाती है।

मृत्यु दर :-

किसी देश में एक वर्ष में प्रति हजार व्यक्तियों पर मरने वालों की संख्या मृत्यु-दर कहलाती है।

→ भारत में जन्म-दर व मृत्यु दर में पाया जाने वाला अन्तर भारत की जनसंख्या वृद्धि का एक प्रमुख कारण है।

उ० 17. भारत में पाईपलाईन परिवहन का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। प्रारंभ में पाईपलाईनों का प्रयोग केवल घरों में जल आदि पहुँचाने हेतु किया जाता था परंतु अब पाईपलाईन का प्रयोग एक स्थान से दूसरे स्थान तक पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस आदि तरल बहनीय पदार्थों के परिवहन

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

में भी उपयोग में भी आने लगी है।
→ भारत में खनिज तेल व प्राकृतिक गैस आदि के परिवहन की तीन मुख्य पाइपलाइन हैं, यथा-
[i] असम के ऊपरी तेल क्षेत्रों से गुवाहाटी, बरौनी, इलाहाबाद के रास्ते कानपुर तक, इसकी एक शाखा बरौनी से राजबंध के रास्ते हल्दिया तक है। एक शाखा राजबंध से मौरी ग्राम व एक गुवाहाटी से सिलिगुड़ी तक है।
[ii] सलाया, वीरमगाँव से मथुरा, सोनीपत के रास्ते जालंधर तक। इसकी एक शाखा कोयली, जो चाक्सु आदि स्थानों को जोड़ती है।
[iii] गुजरात के हजीरा से UP के जगदीशपुर तक मध्यप्रदेश के विजयपुर के रास्ते।

उ. 18. सड़क पर पैदल चलते समय हम निम्न बातों का ध्यान रखेंगे-
[i] हम सड़क के बाईं ओर चलेंगे।
[ii] सड़क को जेब्रा क्रॉसिंग या फुट-ओवर ब्रिज या अंडरपास से पार करेंगे।
[iii] सड़क पर चलते हुए फालतू इशारे नहीं करेंगे।

उ. 19. ठोस कचरा प्रबंधन कार्यक्रम में वर्तमान की एक बड़ी समस्या कचरे का निस्तारण करने का एक कार्यक्रम है। इसमें घरेलू व औद्योगिक

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

ठोस अपशिष्टों का निस्तारण एक विशेष प्रक्रिया द्वारा किया जाता है जिसमें पहले ~~नीय मुख्य सफाई कर्मचारी अन्य~~ तो कचरे को कचरा संग्रहण केंद्र पर लाया जाता है तथा उसके बाद उसे परिवहन के साधनों से निस्तारण केंद्रों पर ले जाया जाता है, और वहाँ कचरे को स्रोत के आधार पर विभाजित करके निस्तारण किया जाता है।

→ इस कार्यक्रम में विभिन्न स्थानीय निकायों को ठोस कचरा निस्तारण की विभिन्न विधियों को अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है।

उ० 20. हम्मीर देव चौहान ने अलाउद्दीन खिलजी के बागियों - मुहम्मद शाह व केहब्रू को संरक्षण दिया था, इस कारण उसे अलाउद्दीन से युद्ध करना पड़ा और पराजित हुआ, यदि मैं हम्मीर के स्थान होता तो ~~मैं भी उन्हें संरक्षण ही देता भले ही वे~~ मैं उन्हें संरक्षण न देता।

→ इसका कारण है कि ~~ब~~ जब वे अपने स्वधर्मी राजा अलाउद्दीन के प्रति स्वामिभक्ति न रख सके तो भविष्य में उनसे स्वामिभक्ति व सहयोग की आशा

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

कैसे ही आ सकती हैं, हो सकता है कि वे मुझसे भी भविष्य में छीनवा ले। इसलिए अपने राज्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मैं अलाउद्दीन के बागियों को संरक्षण न देता।

उ. 21. भारत में मौर्यकाल में ~~केन्द्रीय~~ पहली बार केंद्रीकृत शासन व्यवस्था का सूत्रपात ~~किया~~ हुआ। मौर्यकालीन केंद्रीय प्रशासन सुव्यवस्थित था। उसे विभिन्न विभागों एवं अधिकारियों में उपविभाजित किया गया था यथा -

(i) राजा → राजा प्रशासन का सर्वोच्च अधिकारी होता था। कौटिल्य ने राज्य के 7 अंग निर्दिष्ट किये - राजा, अमात्य, जनपद, दुर्ग, कोष, सेना व मित्र।

(ii) तीर्थ:- मौर्य प्रशासन 18 विभागों में विभक्त था जिन्हें तीर्थ कहते थे। तीर्थ के अध्यक्ष महामात्र होते थे।

(iii) सन्निधाता व समाहर्ता:- सन्निधाता राज्य में विभिन्न स्थानों पर कोषगृह व अन्नागार बनवाता व समाहर्ता राज्य का बजट व राजस्व संबंधी कार्य करता था।

(iv) अध्यक्ष:- मौर्य प्रशासन में अध्यक्ष महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे, इनकी संख्या 26 थी।

→ इस प्रकार हम देखते हैं कि मौर्यकालीन केंद्रीय प्रशासन सुव्यवस्थित था।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उ. 22. इटली के एकीकरण में मैजिनी का महत्वपूर्ण योगदान था, मैजिनी ने 1834 ई. में यंग इटली नामक की स्थापना की जिसने इटली के राष्ट्रीय आन्दोलन में शीघ्र ही कार्बोनरी का रूप ले लिया था। मैजिनी इटली के नवयुवकों पर विश्वास करता था। उसका कहना था कि यदि समाज में क्रांति लानी है तो नेतृत्व नवयुवको के हाथ में दो, उनके हृदय में असीम शक्ति छिपी होती है, 'यंग इटली' के तीन नारे थे -

(i) परमात्मा में विश्वास रखो
(ii) सभी भाइयों को एक साथ मिलाओ
(iii) इटली को मुक्त करो,

→ मैजिनी ने इटलीवासियों में राष्ट्रीयता की भावना जागृत की, उसका कहना था कि संयुक्त इटली के अलावा और किसी के पीछे मत दौड़ो, इटली एक राष्ट्र है और बनकर रहेगा। मैजिनी इटली के देशभक्तों की दृष्टि में देवदूत था जो इटली को एकीकृत करने आया था। यद्यपि मैजिनी काबूर की भांति कूटनीतिज्ञ न था लेकिन वह एक आदर्शवादी कवि और क्रांति का अग्रदूत था जिसने इटली के एकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया था।

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

30. 23. हमारे मतानुसार सामाजिक लोकतन्त्र के लिए देश में निम्न दशायें आवश्यक हैं-

(i) सामाजिक लोकतंत्र के लिए राष्ट्र तथा समाज के सदस्यों में एकता की भावना आवश्यक है।

(ii) सामाजिक लोकतंत्र के लिए समाज के सदस्यों में ऊँच-नीच का भाव नहीं होना चाहिए और व्यक्ति-व्यक्ति में रंग, जाति, धर्म, भाषा, नस्ल आदि आधार पर विभेद न किया जाना चाहिये।

(iii) सामाजिक लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि समाज के सभी सदस्यों को विकास के समान अवसर प्राप्त होने चाहिये।

(iv) समाजिक लोकतंत्र में संविधान द्वारा नागरिकों को 'समानता का अधिकार' दिया जाना चाहिये जो सामाजिक लोकतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण है।

→ जब किसी राष्ट्र या समाज में सामाजिक लोकतंत्र स्थापित करना हो तो उससे पहले वहाँ उपरोक्त तथ्यों की उपस्थिति आवश्यक होती है, इनके बिना सामाजिक लोकतंत्र संभव नहीं।

---

30. 24. भारतीय अर्थव्यवस्था एक विकासशील अर्थव्यवस्था है, इसके समर्थन में निम्न तर्क दिये गए हैं-

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(i) प्रति-व्यक्ति आय व राष्ट्रीय आय में सतत वृद्धि :-

भारत में प्रतिव्यक्ति आय व राष्ट्रीय आय के स्तर में सतत वृद्धि हो रही है। 1950-80 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर 3.5 थी जो 1991-2011 के बीच 6.8% हो गई। इसी प्रकार, प्रति-व्यक्ति आय में भी वृद्धि की स्थिति देखी गई है।

(ii) क्षेत्रीय अनुकूलताएँ :-

भारत में सकल घरेलू उत्पाद में आजादी के समय प्राथमिक क्षेत्र का योग 50% के लगभग था जो अब 15% के लगभग रह गया है और शेष योगदान द्वितीयक व तृतीयक क्षेत्र का है।

(iii) व्यावसायिक संरचना में परिवर्तन :-

आजादी के समय 72% कार्यशक्ति प्राथमिक क्षेत्र में कार्यरत थी जो अब 54.6% के लगभग हो गई है। प्राथमिक क्षेत्र से तृतीयक व द्वितीयक क्षेत्र की ओर श्रम का पलायन हुआ है।

(iv) सामाजिक व आर्थिक आधार-संरचना में सुधार :- भारत में साक्षरता दर 18% से भारत में बहुत पहले प्रगति हुई है। भारत की साक्षरता दर 74.04% पर पहुँच गई है। इसी प्रकार अन्य व्यवस्थाओं में भी सुधार हुआ है।

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उ० 25. मुद्रा :- मुद्रा वह कोई भी वस्तु है जिसे विनिमय के माध्यम के रूप में सामान्य स्वीकृति प्राप्त हो। क्राउथर के अनुसार, "मुद्रा वह कोई भी वस्तु है जिसे विनिमय का माध्यम स्वीकार जाता हो तथा जिससे विलम्बित भुगतान सरलता से निपटाये जा सकते हों।

* मुद्रा के कार्य :-

मुद्रा के कार्यों को निम्न बिंदुओं में स्पष्ट किया गया है-

(i) विनिमय का माध्यम :-

मुद्रा विनिमय का एक माध्यम है। यह सर्वस्वीकार्य होती है जो वस्तु-विनिमय प्रणाली के दोहरे संयोग की अड़चनों को दूर करती है। मुद्रा का यह गुण इसे अन्य संपदाओं से पृथक करता है।

(ii) मूल्य का मापक :-

मुद्रा मूल्य के सामान्य मापक का कार्य करती है। इससे विभिन्न पैमानों पर विभिन्न वस्तुओं के विनिमय मूल्य को मुद्रा के रूप में व्यक्त कर उचित लेखाते का बनाया जा सकता है।

(iii) विलंबित भुगतानों का मापक :-

मुद्रा के सहायता से विलंबित भुगतानों को सरलता से निपटाया जा सकता है। चूंकि ऋण भी एक प्रकार का विलंबित भुगतान है, अतः ऋण को भी मुद्रा के रूप में चुकाना अत्यन्त सरल है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

3. 26. एक जागरूक नागरिक के रूप में उपभोक्ता शोषण के निम्न कारण सुझाये गए हैं -

[i] वस्तुओं के श्रेणीकरण व गुणवत्ता चिह्नों पर पर ध्यान दिये बिना वस्तु क्रय करना।

[ii] वस्तुओं पर लिखित झूठे नारों पर विश्वास करना।

[iii] विभिन्न प्रकार की वस्तुएं उपलब्ध होने पर सही वस्तु का चयन न कर पाना।

[iv] वस्तु के संबंध में पूर्ण जानकारी न प्राप्त करना भी उपभोक्ता शोषण का एक कारण है।

3. 27. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में क्रांतिकारियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इनमें श्यामजी कृष्ण वर्मा और वीर सावरकर का योगदान भी उल्लेखनीय रहा, यथा-

(i) श्यामजी कृष्ण वर्मा :-

श्यामजी कृष्ण वर्मा पहले व्यक्ति थे जिन्होंने भारत के बाहर रहकर क्रांतिकारी गतिविधियों का आरंभ किया। उन्होंने अपना कार्यक्षेत्र लंदन को बनाया। उन्होंने लंदन में 1905 ई. में 'इंडिया हाउस' की स्थापना की। उन्होंने एक पत्रिका - 'इंडिया

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

सोशलिज्म भी प्रारंभ की, उन्होंने ब्रिटेन में रहने वाले भारतीयों के लिए 2-2 हजार की छः फैलोशिप भी प्रारंभ की, शीघ्र ही, इण्डिया हाउस ब्रिटेन में रहने वाले भारतीयों के लिए आंदोलन का केंद्र बन गया। वीर सावरकर, लाला हरदयाल, मदन लाल धींगरा आदि जैसे क्रांतिकारी इसके सदस्य बन गए। परन्तु श्यामजी कृष्ण वर्मा की गतिविधियों से क्रुद्ध होकर अंग्रेजी सरकार ने उनके विरुद्ध कार्यवाही प्रारंभ कर दी, बाद में वे लंदन छोड़ पेरिस में रहने लगे और क्रांतिकारी गतिविधियों का संचालन किया।

(ii) विनायक दामोदर सावरकर :-

विनायक दामोदर सावरकर को तत्कालीन जनता ने वीर की उपाधि से विभूषित किया। इसलिए वीर सावरकर कहे जाते थे। उन्होंने भारत के राष्ट्रीय आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बंगाल विभाजन के समय उन्होंने मित्र-मेला नामक संगठन बनाकर विदेशी वस्तुओं की होली जलाई। वे पहले व्यक्ति थे जिन्हें ब्रिटिश सरकार ने दो जन्म के आजीवन कारावास की सजा दी, उन्होंने 1906 में अभिनव भारत की स्थापना की, उनका लम्बा समय अण्डमान-निकोबार की सेलुलर जेल में बीता। उनकी पुस्तक 'द इण्डियन वार ऑव इंडिपेंडेंस', विभिन्न शीर्षकों से भारत पहुँची क्योंकि

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

इसे प्रकाशन से पूर्व ही ब्रिटिश सरकार ने जब्त कर लिया था।

→ इस प्रकार विनायक दामोदर सावरकर व श्यामजी कृष्ण वर्मा का भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्र० 28. संसद - एक परिचय :-

भारत में संसद भवन दिल्ली में स्थित है जिसका नक्शा सर एडविन लुटीयंस व सर हरबर्ट बेकर द्वारा बनाया गया। इसके तीन अंग है -

(i) राष्ट्रपति
(ii) लोकसभा
(iii) राज्यसभा।

संसद के कार्य व शक्तियाँ

(i) विधायी शक्ति :-

संसद को संघीय सूची व समवर्ती सूची के विषयों पर कानून निर्माण का अधिकार प्राप्त है, यद्यपि समवर्ती सूची पर संसद व विधानमंडल दोनों कानून बना सकते हैं परंतु इस संबंध में अंतिम शक्ति संसद को प्राप्त है। यदि दोनों द्वारा बनाये गए कानूनों में परस्पर विरोधाभास हो तो

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

संसद द्वारा बनाया गया कानून मान्य होगा।

(ii) संविधान संशोधन की शक्ति :- संविधान के अधिकांश भाग में संशोधन का कार्य संसद द्वारा ही किया जाता है। संविधान में संशोधन का प्रस्ताव दोनों सदनों के पृथक-2 2/3 बहुमत से पारित होना चाहिये। कानों के कुछ भाग ऐसे हैं जिनमें संशोधन के लिए संघ के आधे राज्यों के विधानमंडलों की स्वीकृति आवश्यक है, यदि स्वीकृति न मिले तो संविधान - संशोधन का प्रस्ताव गिर जायेगा।

(iii) प्रशासनिक शक्तियाँ :- संविधान द्वारा भारत में संसदात्मक शासन प्रणाली स्थापित की गई है। इसके अनुसार मंत्रिपरिषद व प्रधानमंत्री, दोनों अपने कार्यों के लिए संसद (विशेषत: लोकसभा) के प्रति उत्तरदायी होते हैं, मंत्रिपरिषद केवल तब तक टिकी रह सकती है जब तक उसे संसद का विश्वास प्राप्त हो।

(iv) वित्तीय शक्ति :- संसद की वित्तीय शक्तियों में मुख्यत: बजट संबंधी कार्य सम्मिलित किया जाता है। जब तक मंत्रिमंडल द्वारा प्रस्तावित बजट संसद द्वारा स्वीकृत न हो, तब तक संसद सरकार द्वारा वित्त संबंधी कोई कार्य नहीं किया जा सकता।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(v) निर्वाचन संबंधी अधिकार:-

अनु० 54 के द्वारा संसद को कुछ निर्वाचन के अधिकार भी प्राप्त हैं, लोकसभा एवं राज्यसभा के निर्वाचित सदस्य, राज्य व संघीय विधान-सभा के निर्वाचित सदस्यों के साथ मिलकर राष्ट्रपति का निर्वाचन करते हैं। संसद के दोनों सदन उपराष्ट्रपति के निर्वाचन में भी भाग लेते हैं।

(vi) विविध शक्तियाँ:-

(a) संसद के दोनों सदन अनु० 61 के तहत निर्धारित प्रक्रिया द्वारा राष्ट्रपति पर महाभियोग लगा सकते हैं। इसी प्रकार उपराष्ट्रपति व उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों को भी संसद अपदस्थ कर सकती है।

(b) राष्ट्रपति द्वारा घोषित संकटकालीन व्यवस्था के 1 माह के भीतर संसद की स्वीकृति आवश्यक होती है। इसी प्रकार राज्यों में आपातकाल की घोषणा के 2 माह के भीतर संसद की स्वीकृति आवश्यक होती है।

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

3. 29. विधानपरिषद् - एक परिचय :-

राज्य विधानपरिषद्

राज्य विधानमंडल का द्वितीय व उच्च सदन है। यह स्थायी सदन है जो राज्यपाल द्वारा भी भंग नहीं किया जा सकता।

विधानपरिषद् की शक्तियाँ

(i) विधायी शक्ति :-

संविधान द्वारा साधारण विधेयकों के संबंध में विधानसभा व विधानपरिषद् को समान अधिकार प्राप्त हैं, ~~किन्तु~~ विधानसभा जब किसी विधेयक को पारित कर विधानपरिषद् के पास भेजती है तो विधानपरिषद् विधेयक को अस्वीकृत करे या विधेयक प्रस्तुत होने के 3 माह तक वापस न करे या विधानसभा द्वारा अस्वीकार्य संशोधन करे तो विधानसभा विधेयक को पुनः पारित कर भेजती है। इस बार भी यदि विधेयक को अस्वीकृत कर दिया जाये या 1 माह तक वापस न लौटाया जाए या पुनः विधानसभा द्वारा अस्वीकार्य संशोधन किये जाएं तो विधेयक बिना विधानपरिषद् में पारित हुए दोनों सदनों से पारित समझा जाता है। इस प्रकार, विधानपरिषद् किसी विधेयक को अधिकतम 4 माह तक रोक सकती है। विधानपरिषद् कोई विधेयक समाप्त नहीं कर सकती।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ii) प्रशासनिक शक्ति :-

राज्य मंत्रिपरिषद् अपने कार्यों के लिए विधानसभा के प्रति उत्तरदायी है। विधानपरिषद् किसी भी स्थिति में मंत्रिपरिषद् को अपदस्थ नहीं कर सकती। विधानपरिषद् के सदस्य प्रश्न पूछकर, काम रोको प्रस्ताव आदि क्रियाओं द्वारा मंत्रिपरिषद् पर नियंत्रण रखती है।

(iii) वित्तीय शक्ति :-

~~राज्य~~ संविधान द्वारा विधानपरिषद् को वित्त के संबंध में गौण शक्ति प्रदान की गई है। धन विधेयक केवल ~~लोक~~ विधानसभा में ही प्रस्तावित किये जा सकते हैं, ~~यदि~~ जब विधानसभा स्वीकृति हेतु धन विधेयक को विधानपरिषद् के पास भेजती है तो विधानपरिषद् विधेयक रखे जाने की तिथि से 14 दिन तक पारित न करे या विधानसभा द्वारा अस्वीकार्य संशोधन करे तो धन विधेयक उसी रूप में पारित समझा जाता है जिस रूप में उसे विधानसभा ने पारित किया था।

→ इस प्रकार, यद्यपि विधानपरिषद् को विधानसभा की तुलना में गौण शक्ति प्राप्त है, तथापि यह प्रशासन में महत्वपूर्ण

P.T.O.

नामांक Roll No.

1	6	1	1	7	9	6

S-08-Social Science

माध्यमिक परीक्षा, 2018

SECONDARY EXAMINATION, 2018

सामाजिक विज्ञान

SOCIAL SCIENCE

संख्या → 30

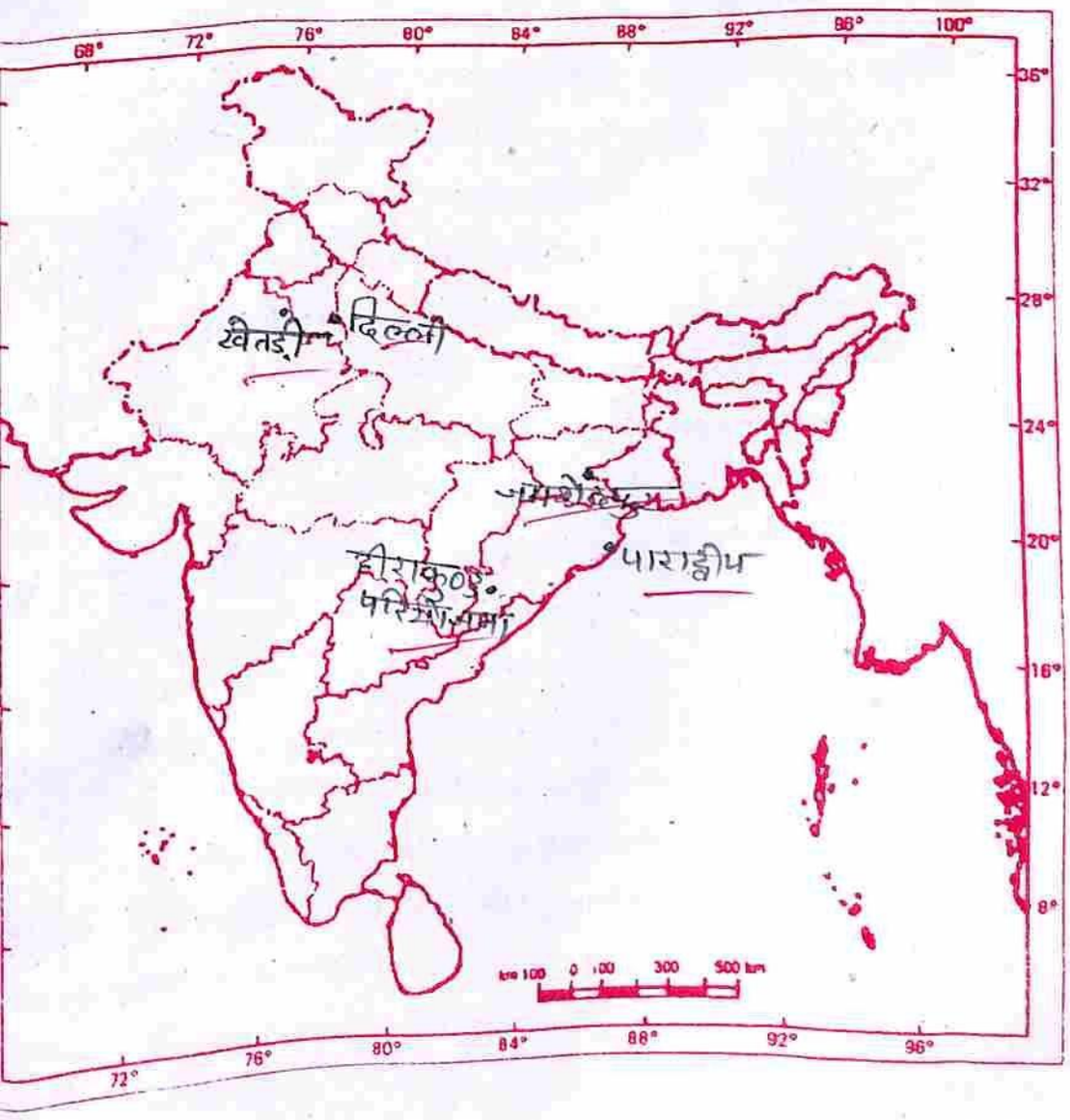

CONFIDENTIAL

CONFIDENTIAL

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	भूमिका निभाती है।
	समाप्त